दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 10

प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर

सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

क्रमांक	सत्रीय कार्ड कोड	कहाँ प्रेषित करें	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अंतिम दिनांक
01	एम ए एच डी – 01	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर	30.04.2020
02	एम ए एच डी – 02		
03	एम ए एच डी – 03		
04	एम ए एच डी – 04		
05	एम ए एच डी – 05		
06	एम ए एच डी – 06		

➢ अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य का मूल्यांकन संबंधित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।

Š

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र – 442 001
फोन/फैक्स नं.: 07152-247146 वेबसाइट: http://hindivishwa.org/distance/

पाठ्यक्रम संयोजक- डॉ. अमरेन्द्र कुमार शर्मा
पाठ्यक्रम सह-संयोजक- संदीप मधुकर सपकाळे (प्रथम वर्ष) **दिनांक : 31. 01. 2020**

दूर शिक्षा निदेशालय

पाठ्यक्रम- एम.ए. हिंदी **प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य

दिशा-निर्देश

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) में प्रत्येक में 01-01 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को प्रथम वर्ष, के प्रथम सेमेस्टर में कुल 05 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

सत्रांत परीक्षा में विद्यार्थी को उसी पाठ्यचर्या का प्रश्नपत्र हल करने के लिए दिया जाएगा जिस वैकल्पिक पाठ्यचर्या का चयन विद्यार्थी द्वारा सत्रीय कार्य हेतु पंचम पाठ्यचर्या के लिए किया जाएगा। विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्या के लिए चयनित वैकल्पिक पाठ्यचर्या का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें। यथा – **लोक-साहित्य** पाठ्यचर्या के लिए विकल्प – 02, पाठ्यचर्या का शीर्षक – लोक-साहित्य, पाठ्यचर्या कोड – MAHD – 06 लिखिए।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम दिनांक से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यत: सुरक्षित रखें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है। विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा संबंधित पाठ्य-सामग्री को कितन पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा संबंधित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है। आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है। विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुन र्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए। पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी सम्बन्धी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य लेखन :

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :- प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। तदनन्तर संबंधित पाइ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए। पूछे गए प्रश्नों से संबंधित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए। साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्णक पढ़िए। पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए। और अन्तिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :- अपने उत्तर को अन्तिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए। उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए। कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो ताथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वार <u>स्वयं की हस्तलिपि</u> में सम्पन्न किया जाना है। पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो। आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है। उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए। उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व संबंधित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए। प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कामज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के

बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्रीय कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए। सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी। आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान करवाया जाएगा। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के प्रारूप हेतु परिशिष्ट क्रमांक-01 देखिए।

02. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्षभाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।

03. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर विश्वविद्यालय के नाम और पते के नीचे पाठ्यक्रम का नाम एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर, पाठ्यक्रमे कोड : एम ए एच डी – 010, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक, सत्रीय कार्य कोड, पाठ्यचर्या क्रमांक तथा पाठ्यचर्या का शीर्षक लिखिए।

04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के मध्यभाग में अपना पूरा नाम (कृपया नाम के पहले श्रीमती/कुमारी/सुश्री/श्री/डॉ. न लिखें), अनुक्रमांक, नामांकन संख्या, पत्राचार पता (पिन कोड सहित) तथा मोबाइल नं. लिखिए।

05. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के निम्नाभाग में संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।

06. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु संबंधितअध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये। लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर **सत्रीय कार्य, एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम, प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010** अवश्य लिखिए।

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम **प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 1 से 6
अधिकतम अंक : 30%

प्रथम सेमेस्टर

- प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।
- प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

एम ए एच डी – 1, MAHD-1, प्रारंभिक हिंदी काव्य, (अनिवार्य)

प्रश्न 1. अपभ्रंश से प्रभावित हिंदी साहित्य का विश्लेषण करते हुए हिंदी में जैन साहित्य के योगदान का उल्लेख कीजिए।
प्रश्न 2. 'कथानक रूढ़ि' को समझाते हुए पृथ्वीराज रासो में वर्णित 'कथानक-रूढ़ियों' पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 3. प्रारंभिक हिंदी काव्य के साहित्यिक अवदान में सिद्ध-नाथ साहित्य का क्या स्थान है ? इस कथन पर आलोचनात्मक दृष्टि से विचार कीजिए।
प्रश्न 4. विद्यापति के व्यक्तित्व और कृतित्व का विस्तार पूर्वक विवेचन कीजिए।
प्रश्न 5. अमीर खुसरो के काव्य की प्रामाणिकता के पक्ष-विपक्ष में विचार रखिए।
प्रश्न 6. 'पदावली में अलंकार प्रयोग' इस विषय पर एक निबंध लिखिए।

एम ए एच डी – 2, MAHD-2, हिंदी उपन्यास एवं कहानी; (अनिवार्य)

प्रश्न 1. प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास की परंपरा का विवेचन करते हुए प्रेमचंद के उपन्यास साहित्य का विश्लेषण कीजिए।
प्रश्न 2. महिला उपन्यासकारों के उपन्यास लेखन की परंपरा पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 3. हिंदी कहानी की विकास यात्रा का वर्णन करते हुए महिला कथाकारों के कथा साहित्य का विश्लेषण कीजिए।
प्रश्न 4. दलित विमर्श की आलोचना दृष्टि से 'कफन' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।
प्रश्न 5. उदात्त प्रेम आख्यान के रूप में 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का विश्लेषण कीजिए।
प्रश्न 6. 'नई कहानी के तीन स्तंभ' विषय पर निबंध लिखिए।

एम ए एच डी – 3, MAHD-3, भारतीय काव्यशास्त्र, (अनिवार्य)

प्रश्न 1. रीतिकालीन आचार्यों द्वारा प्रतिपादित काव्य लक्षणों पर विचार करते हुए आलेख निर्मित कीजिए।
प्रश्न 2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा प्रतिपादित काव्य-लक्षण की विचिकित्सा कीजिए।
प्रश्न 3. आचार्यो द्वारा निरूपित अलंकार की स्थापनाओं की सांगोपांग प्रस्तुति कीजिए।
प्रश्न 4. काव्यशास्त्र में गुण चर्चा के ऐतिहासिक विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 5. वैदर्भी रीति की विशेषता बताते हुए काव्य शास्त्र में उसके योगदान की चर्चा कीजिए।
प्रश्न 6. आचार्य आनंदवर्धन द्वारा प्रतिपादित ध्वनि सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

एम ए एच डी – 4, MAHD-4, हिंदी साहित्य का इतिहास, (अनिवार्य)

प्रश्न 1. साहित्य-इतिहास-दर्शन की भारतीय अवधारणा का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
प्रश्न 2. सिद्ध एवं नाथ साहित्य का हिंदी साहित्य में योगदान पर लेख लिखिए।
प्रश्न 3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा लिखित 'हिंदी साहित्य का इतिहास' की समीक्षा कीजिए।
प्रश्न 4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्य-इतिहास लेखन पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न 5. हिंदी साहित्य के इतिहास का मिश्र बंधुओं द्वारा एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा प्रस्तुत काल विभाजन का तुलनात्मक परिदृश्य प्रस्तुत कीजिए।
प्रश्न 6. आचार्य कवि स्वयंभू द्वारा विरचित 'पउमचरिउ' (जैन रामायण) पर निबंध लिखिए।

एम ए एच डी – 5, MAHD-5, प्रयोजनमूलक हिंदी – I, (वैकल्पिक)

प्रश्न 1. प्रयोजनमूलकता की परिभाषा प्रस्तुत करते हुए प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए।
प्रश्न 2. प्रशासनिक भाषा के आधारभूत तत्वों को रेखांकित करते हुए सरकारी कामकाज में उनके प्रयोग की चर्चा कीजिए।
प्रश्न 3. आदेश एवं कार्यालय आदेश में अंतर को प्रस्तुत कीजिए।
प्रश्न 4. 'राजभाषा हिंदी' पर एक निबंध लिखिए।
प्रश्न 5. आपके क्षेत्र विशेष में बोली जानेवाली हिंदी के स्वरूप के दस वाक्यों को लिखिए।
प्रश्न 6. राजभाषा कार्यान्वयन के सम्मुख आनेवाली चुनौतियों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालिए।

एम ए एच डी – 6, MAHD-6, लोक साहित्य- II, (वैकल्पिक)

प्रश्न 1. लोक-वार्ता को परिभाषित करते हुए लोक संबंधी कार्यों के महत्व को रेखांकित कीजिए।
प्रश्न 2. लोक-साहित्य के संकलन-संग्रहण के प्रकार की विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए उसकी आवश्यकता का विवेचन कीजिए।
प्रश्न 3. लोक साहित्य और समाज विज्ञान के अंतःसंबंधों पर प्रकाश डालते हुए लोक साहित्य अनुसंधान में इसकी उपयोगिता का विश्लेषण कीजिए।
प्रश्न 4. आपके अपने क्षेत्र विशेष में बोली जानेवाली भाषाओं के लोक गीतों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
प्रश्न 5. आपके अपने क्षेत्र विशेष के लोक गायक अथवा लोक कलाकार पर निबंध लिखिए।
प्रश्न 6. भिखारी ठाकुर के 'बिदेसिया' लोक नाट्य पर प्रकाश डालिए।